SCABIES (ITCH)

खुजली

01621
1621

खुजली

खुजली त्वचा का छूत रोग है। यह निम्न प्रकार से फैलता है :

1. खुजली वाले व्यक्ति की त्वचा से सीधे संपर्क द्वारा। यह संपर्क रोगी के पास सोने वालों या बच्चों के माता-पिता के साथ चिपके रहने से होता है।

2. रोगी के दूषित सामान जैसे कपड़े, तौलिया, बिस्तर आदि के प्रयोग द्वारा।

खुजली का रोग खुजाने के कारण बहुत ही कष्टदायक हो सकता है।

कुत्तों को भी खुजली का रोग होता है। ऐसे रोगी कुत्तों के साथ बच्चों को नहीं खेलने देना चाहिए।

01621
COMH 321

खुजली : गरीबों का रोग

इस छूत-रोग का प्रसार निम्न प्रकार से होता है :

1. अधिक भीड़ वाले घर में रहने से; जहां एक आदमी दूसरे से नजदीक रहता है। इस प्रकार खुजली का रोग गरीबों में अधिक होता है।

2. नहाने तथा कपड़े धोने के लिए पानी की कमी होने के कारण व्यक्तिगत साफ-सफाई ठीक न होने से।

3. स्वास्थ्या सेवाएं न मिल पाने या दवाइयां न खरीद पाने के कारण अधिकतर रोगी चिकित्सा की ओर ध्यान नहीं देते।

ये सभी परिस्थितियां देश के केवल पिछड़े क्षेत्रों में ही पायी जाती हैं।

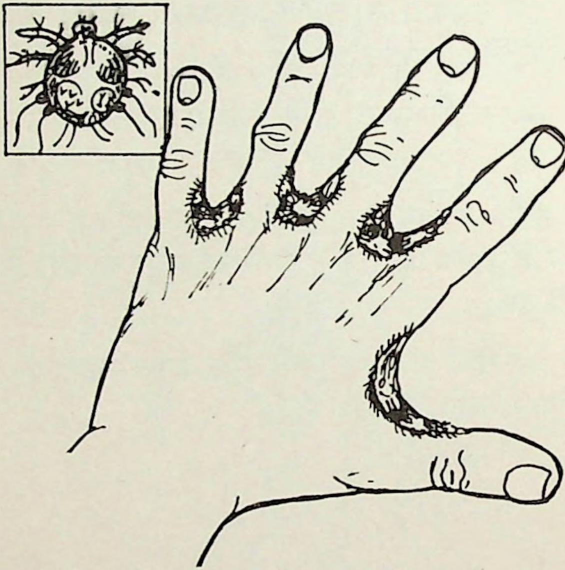

खुजली कैसे होती है

खुजली एक बहुत ही छोटे जीव से होती है जो केकड़े के समान होता है। सार्कोप्टेस स्कैबिआई नामक माढा जीव त्वचा में सुराख कर अंदर घुसता है जहां वह मादा देता है। ये अण्डे 4 से 5 दिनों में फूटते हैं। इसमें से निकले लार्वा त्वचा में दूसरे स्थानों में या दूसरे व्यक्ति में घुस जाते हैं जहां वे अपना नया जीवन-चक्र शुरु करते हैं।

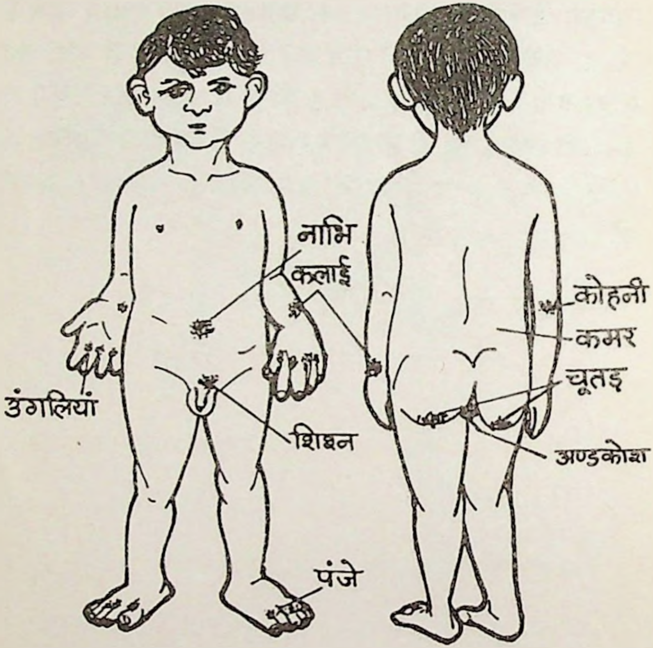
नाभि
कलाई
कोहनी
कमर
चूतड़
उंगलियां
शिश्न
अण्डकोश
पंजे

खुजली के चिह्न, लक्षण और स्थिति

खुजलाहट इसका मुख्य लक्षण होता है जो खासकर रात में अधिक होती है। प्रभावित स्थान की त्वचा पतली तथा झुर्रीदार हो जाती है।

अत्यधिक खुजलाने से त्वचा तड़क या फट जाती है जिसमें पीब या मवाद भरकर एक दूसरे ही संक्रमण को जन्म देती है। इससे बुखार भी आ सकता है तथा लसिका या नसों में सूजन भी आ सकती है।

खुजली होने के सामान्य स्थल निम्न हैं :

हाथों तथा पैरों की उंगलियों के बीच के स्थानों में
बगलों के नीचे जहां त्वचा लिपटकर नजदीक होती है
नाभि में
कमर में नाड़ा बांधने के स्थान पर
कलाई के आस-पास
कोहनी में
जांघों तथा चूतड़ में
शिशुओं की खोपड़ी में
शिश्न तथा अण्डकोष के आसपास

खुजली की रोकथाम के प्रबंध

व्यक्तिगत साफ-सफाई बहुत आवश्यक है। जो व्यक्ति प्रतिदिन नहाते हैं उनमें यह रोग नहीं होता।

प्रतिदिन नहाना तथा कपड़े बदलना चाहिए। सभी कपड़ों तथा बिस्तर को रोज धोकर धूप में सुखाना चाहिए।

साबुन और पानी का दैनिक प्रयोग खुजली के प्रसार को रोकता है।

जब भी खुजली का इलाज किया जा रहा हो तब केवल प्रभावित स्थान का इलाज न करके पूरे शरीर का इलाज करना चाहिए।

सिर्फ एक ही रोगी बालक का इलाज न करके परिवार के सभी सदस्यों का इलाज करना चाहिए।

इलाज के साथ-साथ स्वास्थ्य-शिक्षा भी देनी चाहिए। यदि पूरे मोहल्ले में खुजली की समस्या हो तो हर घर में जाकर इसकी जानकारी लेना व इलाज करना चाहिए।

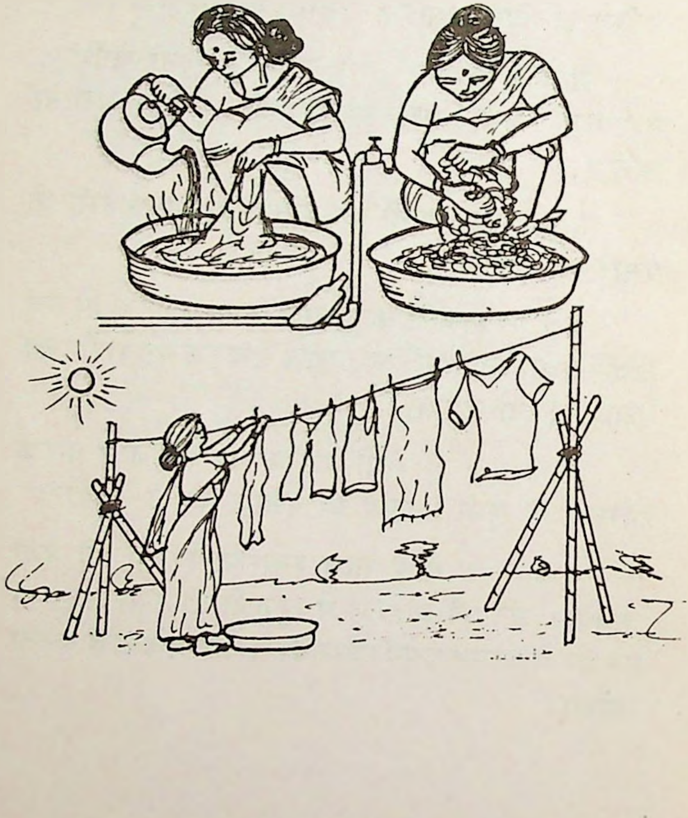

खुजली का इलाज

1. एक भाग 'लिंडेन' और 15 भाग वैसलीन मिलाकर मरहम तैयार करें।

रोगी को नहलाएं। उसके शरीर पर खूब अच्छी तरह साबुन लगाएं।

वैसलीन को गर्मकर अच्छी तरह मिलाएं। चेहरे को छोड़कर पूरे शरीर पर इस मरहम का लेप करें। पूरा एक दिन वैसे ही रखें। दूसरे दिन नहलाकर साफ कपड़े पहनाएं। यही प्रक्रिया दूसरे सप्ताह भी करें। सोने के लिए स्वच्छ बिस्तर का प्रयोग करें।

2. ऊपर लिखे अनुसार नहाने के बाद पूरे शरीर पर गंधक के मरहम का लेप करना चाहिए। पूरे एक दिन तक रोगी को ऐसे ही रहने दें। यह विधि एक सप्ताह बाद दुबारा दोहरानी चाहिए।

गंधक का मरहम तैयार करने के लिए एक भाग गंधक के बारीक पाउडर में 10 भाग नारियल का तेल मिलाना चाहिए।

3. अच्छी तरह नहाने के बाद 10% बेंजाइल बेंजोएट का घोल सारे शरीर पर मलना चाहिए। 24 घंटे तक ऐसे ही रखें। साफ कपड़े पहनें। यह प्रक्रिया एक सप्ताह बाद दुबारा करनी चाहिए।

खुजलाहट रोकने के लिए जितना गर्म सहा जा सकता है, उतने गर्म पानी से प्रभावित भाग को सेंकना चाहिए।

खुजली के लिए जड़ी-बूटी

1. लहसुन

लहसुन के कुछ टुकड़ों को पीसें। इसमें नारियल का तेल मिलाकर गर्म करें और प्रभावित भाग पर लगाएं।

2. अमरूद (जाम)

रोग से प्रभावित भागों को धोने के लिए अमरूद के पत्तों का काढ़ा उत्तम होता है। अमरूद में संकोचन के गुण होते हैं। एक बाल्टी पानी में अमरूद की तीस पत्तों को लगभग 15 मिनट तक उबालें। इस पानी से बच्चों को नहलाएं। नहलाने के बाद पिसा हुआ नारियल खाज पर लगाएं। यह विधि पांच दिन तक दिन में दो बार करनी चाहिए।

प्रश्न

1. खुजली कैसे फैलती है?
2. खुजली क्यों होती है?
3. शरीर के कौन-से भाग सामान्यतः प्रभावित होते हैं?
4. खुजली की रोकथाम के प्रबंध की चर्चा कीजिए।
5. आप खुजली का इलाज कैसे करेंगे?
6. क्या एक परिवार के एक ही रोगी का इलाज किया जाना काफी है?

01621
COMH 321

साबुन व पानी के दैनिक प्रयोग से खुजली को रोका जा सकता है।

इस श्रृंखला के शीर्षक

1. श्वासनली निमोनिया तथा निमोनिया
2. सामान्य आंत्र परजीवी
   (गोल-कृमि और सूचि-कृमि)
3. पोलियो, बाल पक्षाघात, पोलियोमैलिटिस
4. कान
5. आंखें
6. क्षयरोग तथा क्षयरोग की रोकथाम
7. दांत तथा मसूड़े
   दांतों की सामान्य देखभाल
8. कुष्ठरोग
9. त्वचा के सामान्य रोग
10. खुजली

Published by the Catholic Hospital Association of India,
157/6, Staff Road, Secunderabad-500 003.